40. लोकायुक्त

❒ **लोकायुक्त संस्था है–** [कर सहायक परीक्षा-14.10.2018]

(1) सांविधिक एवं सलाहकारी संस्था
(2) सांविधिक एवं न्यायिक संस्था
(3) संवैधानेत्तर एवं सलाहकारी संस्था
(4) संवैधानेत्तर एवं न्यायिक संस्था

Ans. (1)

व्याख्या – भारत के प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग की अक्टूबर, 1966 के अंतरिम प्रतिवेदन में लोकपाल एवं लोकायुक्त की अनुशंसा की गई। राजस्थान में लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम, 1973 पारित किया गया, जो 3 फरवरी, 1973 से प्रभावी हुआ।

❒ **राजस्थान लोकायुक्त और उपलोकायुक्त अधिनियम को राष्ट्रपति की स्वीकृति कब प्राप्त हुई–**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (I)]
[VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) 1983 (2) 1977 (3) 1973 (4) 1985

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त का पद कब सृजित हुआ था?** [CET : 04.02.2023 (S-I)]

(1) 1982 (2) 1973 (3) 1992 (4) 1977

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के पहले लोकायुक्त कौन थे?**

[CET : 04.02.2023 (S-II)][राज.पुलिस कॉन्स्टेबल-15.7.2018(I)]
[सूचना सहायक-21.1.2024][उद्योग प्रसार अधिकारी-22.8.2018]

(1) वी. एस. दवे (2) डी.पी. गुप्ता
(3) एम. एल. जोशी (4) आई.डी. दुआ

Ans. (4)

व्याख्या-राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति (1963) की सिफारिश पर 28 अगस्त, 1973 को सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायामूर्ति श्री आई. डी. दुआ को प्रथम लोकायुक्त व श्री के. पी. यू. मेनन को 5 जून, 1973 को प्रथम उपलोकायुक्त बनाया गया। वर्तमान (13वें) लोकायुक्त न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा है।

❒ **निम्न कथनों पर विचार कीजिए**

[पटवार-24.10.2021 (Shift -I)][कॉलेज व्याख्याता- 2016]

(1) राजस्थान में लोकायुक्त संस्था की स्थापना वर्ष 1973 में की गई थी।

(2) न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ राजस्थान राज्य के पहले लोकायुक्त थे।

(1) केवल 1 सही है (2) केवल 2 सही है
(3) 1 व 2 दोनों सही हैं (4) 1 व 2 दोनों गलत हैं

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **अक्टूबर, 2023 में नियुक्त राजस्थान के 13वें (तेरहवें) वर्तमान लोकायुक्त –** [संविदा नर्स – 03.02.2024]

[CET : 08.01.2023 (S-II)] [PSI - 15.09.2021]

(1) न्यायमूर्ति एस.एस. कोठारी
(2) न्यायमूर्ति प्रताप कृष्ण लोहरा
(3) न्यायमूर्ति जी.एल. गुप्ता
(4) न्यायमूर्ति मिलाप चन्द जैन

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त संस्थान का गठन किस अधिनियम के अन्तर्गत किया गया?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]

(1) राजस्थान लोकायुक्त और उप–लोकायुक्त अधिनियम, 1970
(2) राजस्थान लोकायुक्त और उप–लोकायुक्त अधिनियम, 1973
(3) राजस्थान लोकायुक्त और उप–लोकायुक्त अधिनियम, 1976
(4) राजस्थान लोकायुक्त और उप–लोकायुक्त अधिनियम, 1980

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त का कार्यकाल होता है–**

[पटवार-24.10.2021 (Shift - II)][कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(2) 5 वर्ष या 66 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(3) 5 वर्ष या 60 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(4) 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो

Ans. (1)

व्याख्या : *लोकायुक्तों का कार्यकाल पाँच वर्ष अथवा 65 वर्ष की उम्र तक, जो भी पहले हो, निर्धारित है। वह पुनर्नियुक्ति का पात्र नहीं होता है।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त वार्षिक प्रतिवेदन किसको प्रस्तुत करता है–** [VDO-27.12.2021 (S-I)]

(1) राष्ट्रपति (2) मुख्यमंत्री (3) उच्च न्यायालय (4) राज्यपाल

Ans. (4)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या - प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही से राज्यपाल को अवगत कराने के लिए लोकायुक्त प्रतिवर्ष राज्यपाल को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। राज्यपाल लोकायुक्त से प्राप्त विशेष प्रतिवेदन और वार्षिक प्रतिवेदन राज्य विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत करते हैं।

❐ राजस्थान में लोकायुक्त के पद से सम्बन्धित सही कथन हैं- [कॉलेज व्याख्याता (सारंगी) परीक्षा 30.05.2019]

1. राज्यपाल लोकायुक्त की नियुक्ति करेंगे।
2. लोकायुक्त को देय वेतन, भत्ते, पेंशन राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति के समकक्ष होंगे।
3. राजस्थान के मुख्यमंत्री के विरुद्ध शिकायतों का अन्वेषण लोकायुक्त द्वारा नहीं किया जा सकेगा।

(1) केवल 1 (2) 1 और 2
(3) 2 और 3 (4) 1, 2 और 3

Ans. (4)

व्याख्या - लोकायुक्त व उपलोकायुक्तों की नियुक्ति संबंधित राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है। इनकी नियुक्ति के समय राज्यपाल द्वारा, (अ) राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से, और (ब) राज्य विधानसभा के विपक्ष के नेता से परामर्श अनिवार्य है। हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को लोकायुक्त नियुक्त किया जा सकता है।

महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, आंध्र-प्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात में मुख्यमंत्री को लोकायुक्त की परिधि में रखा गया है, जबकि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार व उड़ीसा में यह लोकायुक्त के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

❐ राजस्थान में लोकायुक्त के संदर्भ में कौन से कथन सही है- [पटवार-23.10.2021 (S -I]

1. न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ राजस्थान के प्रथम लोकायुक्त थे।
2. लोकायुक्त व्यवसाय में शामिल नहीं हो सकता।
3. वह संसद या विधान सभा का सदस्य होना चाहिए।

(1) 1, 3 (2) 1, 2, 3 (3) 2, 3 (4) 1, 2

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में लोकायुक्त के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है- [VDO-28.12.2021 (S-II)]

(1) वह भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन के मामलों पर विचार करता है।
(2) उसका कार्य शिकायतों की जाँच करना है।
(3) वह मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त होता है।
(4) प्रथम लोकायुक्त 1973 में नियुक्त किया गया।

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में राज्यपाल लोकायुक्त की नियुक्ति के लिए निम्न में से किसके साथ परामर्श करता है? [CET : 05.02.2023 (S-I)]

(1) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता
(2) मुख्यमंत्री, उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता
(3) मुख्यमंत्री
(4) मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ लोकायुक्त और उपलोकायुक्त की नियुक्ति कौन करता है- [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (II)]

(1) राज्य का राज्यपाल (2) मुख्यमंत्री
(3) लोकसभा के अध्यक्ष (4) उच्च न्यायालय न्यायाधीश

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में लोकायुक्त निम्न में से किस कार्य की जाँच नहीं कर सकता है? [II Grade (SST) - 21.12.2022]

(1) अनुशासनात्मक कार्यवाही (2) भ्रष्टाचार
(3) पद का दुरुपयोग (4) अकर्मण्यता

Ans. (1)

व्याख्या : राजस्थान लोकायुक्त तथा उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 द्वारा राजस्थान के मंत्रियों, सचिवों, राजकीय प्रतिष्ठानों के अध्यक्षों, स्वायत्त शासन संस्थाओं के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, प्रमुखों, प्रधानों एवं अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार, पद के दुरुप्रयोग एवं अकर्मण्यता की जाँच के लिए स्थापित यह एक उच्च स्तरीय वैधानिक एवं स्वतंत्र संस्थान है।

❐ राजस्थान में लोकायुक्त की जाँच के दायरे में आते हैं- [PSI -07.10.2018]

1. मंत्री 2. सचिव
3. राज्यपाल 4. स्वायत्त शासन संस्थानों के अध्यक्ष

(1) 1, 2, 4 (2) 1, 3 (3) 2, 3, 4 (4) 1, 2, 3

Ans. (1)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या : लोकायुक्त का क्षेत्राधिकार –

1. मंत्री के तहत एक मंत्री, राज्यमंत्री और उपमंत्री हैं। इसमें मुख्यमंत्री को छोड़कर मंत्रीपरिषद के सभी सदस्य शामिल है।

2. सेवक/अधिकारी से अर्थ है किसी सार्वजनिक सेवा या पद पर नियुक्त व्यक्ति।

3. विहित या निर्धारित का अर्थ इस अधिनियम के अधीन बनाये गये नियमों के द्वारा अभिप्रेरित है।

4. जिला परिषद के जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख, पंचायत समिति के प्रधान और उप-प्रधान, कोई भी स्थायी समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जो राजस्थान पंचायत समिति और जिला परिषद् अधिनियम, 1959 के तहत गठित की गई है। कोई भी स्थानीय प्राधिकार राजस्थान राज्य में जो कि – सचिव का मतलब है कि राजस्थान सरकार के सचिव से है, इसमें विशेष सचिव, एक अतिरिक्त सचिव व एक संयुक्त सचिव शामिल है।

❒ **राजस्थान लोकायुक्त के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?** [PSI - 15.09.2021]

1. राजस्थान के मुख्यमंत्री लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

2. महालेखाकार, राजस्थान, लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

3. राजस्थान राज्य विधानसभा, सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी लोकायुक्त के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

नीचे दिए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

(1) केवल 1 (2) केवल 1 और 2
(3) केवल 2 और 3 (4) 1, 2 और 3

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नलिखित में से कौन राजस्थान में लोकायुक्त की जाँच के दायरे में नहीं आते?**
[JEN (Civil) Diploma - 18.05.2022]

1. मंत्री
2. विभागीय सचिव
3. राज्य विधानसभा सचिवालय के कर्मी
4. महालेखाकार-राजस्थान

सही कूट का चयन कीजिए-

(1) 1 और 4 (2) 3 और 4
(3) केवल 4 (4) 1, 2 और 4

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के लोकायुक्त निम्नलिखित में से किस अधिकारी के विरुद्ध जाँच नहीं कर सकते हैं?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
[पटवार-23.10.2021 (Shift-II)]

(1) मंत्री
(2) जिला परिषद के जिला प्रमुख
(3) राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित और स्वामित्व वाले तथा राज्य अधिनियम के अन्तर्गत बनाए गए किसी भी निगम में कार्यरत व्यक्ति
(4) मुख्यमंत्री

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के लोकायुक्त निम्नलिखित में से किस अधिकारी के विरुद्ध जाँच कर सकते हैं?**
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(2) राजस्थान के महालेखापरीक्षक
(3) राजस्थान के सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी
(4) राजस्थान की किसी भी नगर पालिका के महापौर

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से किन पदाधिकारी/पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत प्राप्त होने पर लोकायुक्त राजस्थान द्वारा जाँच नहीं की जा सकती है?** [RAS-05.08.2018]

(1) पंचायत समितियों के प्रधान एवं उप-प्रधान
(2) पंचायत समितियों की स्थायी समितियों के अध्यक्ष
(3) सरपंच एवं पंच
(4) जिला परिषद का उप-प्रमुख

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में लोकायुक्त के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है-** [R.A.S.- 27.10.2021]

1. वह राज्यपाल द्वारा नियुक्त एवं विधानसभा के प्रति उत्तदायी होता है।

2. उसका क्षेत्राधिकार मंत्रियों, राज्य विधानसभा के सदस्यों एवं उच्च लोक सेवकों तक फैला है।

3. वह भ्रष्टाचार एवं कु-प्रशासन के मामलों पर विचार करता है।

4. उसका कार्य आरोपों की जाँच करना है, न कि शिकायतों की।

(1) 1 एवं 3 (2) 1 एवं 4
(3) 1, 2 एवं 3 (4) 1, 2, 3 एवं 4

Ans. (*) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❐ **राजस्थान में लोकायुक्त के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?** [संरक्षण अधिकारी परीक्षा-29.05.2019]

(1) भ्रष्टाचार के मामलों की जाँच करता है किन्तु कुप्रशासन की नहीं।

(2) मुख्यमंत्री उसके जाँच क्षेत्र से बाहर है।

(3) वह अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को प्रस्तुत करता है।

(4) उसकी सिफारिशें सरकार के लिए बाध्यकारी होती है।

Ans. (4)

व्याख्या – प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही से राज्यपाल को अवगत कराने के लिए लोकायुक्त प्रतिवर्ष राज्यपाल को एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। किन्तु उसकी सिफारिशें सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं होती।

❐ **सही उत्तर चुनें-** [RAS-28.08.2016]

राज्य स्तर पर लोकायुक्त की नियुक्ति की सर्वप्रथम अनुशंसा किसने की थी?

(1) सन्थानम समिति

(2) द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग

(3) भारत का प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70)

(4) राजस्थान प्रशासनिक सुधार समिति

Ans. (3)

व्याख्या -भारत के प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केन्द्र व राज्यों के मंत्रियों व सचिव स्तर के लोक सेवकों के विरुद्ध अभियोगों की जाँच के लिए लोकपाल तथा सचिव स्तर से नीचे के अधिकारियों के विरुद्ध अभियोगों की जाँच के लिए राज्य सरकार में लोकायुक्त की नियुक्ति की सिफारिश सर्वप्रथम की।

❐ **राजस्थान लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त अधिनियम के अन्तर्गत आरोप के अर्थ के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए :** [RAS Pre Exam-19.11.2013]

(A) इसका अर्थ है कि लोक सेवक ने कुछ प्राप्त करके, कुछ लेकर या स्वयं या दूसरे के द्वारा पक्षपात या दूसरों को अनावश्यक नुकसान करने या परेशान करने के लिए अपने पद का दुरूपयोग किया है।

(B) लोक सेवक द्वारा अपने कर्तव्य निष्पादन में किसी लाभ के लिए कार्यवाही करना या कार्यवाही न करना।

(C) लोक सेवक ने अपना कर्तव्यपालन का व्यक्तिगत हित या अनुचित या भ्रष्टाचार से प्रेरित होकर कार्य किया है।

(D) लोक सेवक भ्रष्टाचार या लोक सेवक के रूप में निष्ठा की कमी का दोषी है।

कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:

(1) (A) एवं (B) (2) (B) एवं (C)

(3) (A), (B) एवं (D) (4) (A), (B), (C) एवं (D)

Ans. (4)

व्याख्या : राजस्थान लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के अन्तर्गत एक लोक सेवक के संबंध में आरोप का अर्थ होगा–

(i) लोकसेवक के किसी भी प्रतिज्ञान का मतलब किसी भी अन्य व्यक्ति को अनुचित नुकसान या कठिनाई पैदा करने के लिए या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लोकसेवक के रूप में अपने कार्यों के निर्वहन में Actuated निजी हित या अनुचित या भ्रष्ट मंशा से कार्य किया गया। या,

(ii) इसका अर्थ है कि लोक सेवक ने कुछ प्राप्त करके, कुछ लेकर के या स्वयं या दूसरे के द्वारा पक्षपात या दूसरों को अनावश्यक नुकसान करने या परेशान करने के लिए अपने पद का दुरूपयोग किया है।

(iii) लोक सेवक द्वारा अपने कर्त्तव्य निष्पादन में किसी लाभ के लिए कार्यवाही करना या कार्यवाही न करना।

(iv) लोक सेवक ने अपने कर्तव्यपालन का व्यक्तिगत हित या अनुचित या भ्रष्टाचार से प्रेरित होकर कार्य किया है।

(v) वह भ्रष्टाचार का दोषी है या इस तरह के सार्वजनिक रूप से अपनी क्षमता में ईमानदारी (निष्ठा) की कमी है। या, दोषी है।

उल्लेखनीय है कि लोकायुक्त ऐसे आरोपों से जुड़ी किसी भी शिकायत की जाँच नहीं करेगा जो 5 वर्ष बाद की गई हो।

❐ **लोकायुक्त में एक लोक सेवक के विरुद्ध कितने वर्ष पुराने मामलों की शिकायत नहीं की जा सकती है–** [प्रवक्ता (तकनीकी शिक्षा विभाग) -12.03.2021]

(1) दो साल से अधिक

(2) तीन साल से अधिक

(3) चार साल से अधिक

(4) पाँच साल से अधिक

Ans. (4) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner